अनुक्रमणिका

घोषणा पत्र

प्रमाण पत्र

आभार पत्र

प्रस्तावना

प्रथम अध्याय- राहुल सांकृत्यायन के वैज्ञानिक चिंतन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

द्वितीय अध्याय- महापंडित राहुल सांकृत्यायन के जीवन पर बौद्ध धम्म का प्रभाव एवं साहित्य लेखन

तृतीय अध्याय- राहुल सांकृत्यायन का वैज्ञानिक चिंतन

चतुर्थ अध्याय – महापंडित राहुल सांकृत्यायन के वैज्ञानिक चिंतन की प्रासंगिकता-बौद्ध धम्म के परिप्रेक्ष्य में

उपसंहार

संदर्भ-ग्रंथ सूची

परिशिष्ट- फोटो,साक्षात्कार

आभार-पत्र

मेरे स्मृतिशेष पिता नत्थू जी उमरे (डॉक्टर बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा पुलगा व के तत्कालीन समता सैनिक दल , अध्यक्ष)ने मेरी माता कौसल्याबाई को उनके परिनिर्वाण के पूर्व अंतिम क्षणो में "मै अभी चीर निद्रा लेने जा रहा हूँ लेकिन रामभाऊ को खूब पढ़ाना "यह उदान कहकर उन्होने आंखरी साँस ली थी । उनकी इच्छाओं कों मूर्त स्वरूप मेरीअपनी क्षमता से देते हुए अतीव हर्ष हो रहा है । मुफलिसी के कारण मै तरुणावस्था में मेरे पिता के सपने को पूरा न करने का दर्द शूल बना हुआ था कि एक पूर्णरूपेण बुद्ध धम्म को समर्पित अत्यंत भला आदमी, जिसके लिए मेरा रोम रोम ऋणी महसूस कर रहा हूँ और जिनका नाम है डॉ. सुरजीत कुमार सिंह, प्रभारी अध्यक्ष तथा सहायक प्रोफेसर डॉ. भदन्त आनंद कौसल्यायन, बौध्द अध्ययन केंद्र, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा इन का आभार व्यक्त करते हुए मै गदगद हो रहा हूँ। । साथ ही आदरणीय प्राध्यापक रविशंकर सिंह, डॉ कदम सर तथा शुभांगी मदाम इन का भी मै आभारी हूँ। मेरे मित्र सुजीत बनकर ,पुरुषोत्तम ,दिनेश पटेल ,शीलरतन का भी आभारी हूँ।

मेरी पत्नी शोभा ,पुत्र प्रशांत ,सागर, बेटी किरण तथा स्नूषा रमा इनके सहयोग के बिना मै अपना शोध कार्य पूरा नहीं कर सकता था ,इसलिए ये सभी धन्यवाद के पात्र है।

स्थल –वर्धा आपका

दूरध्वनी 07152-249601

मोबा -9673450992 रामभाऊ नत्थूजी उमरे

प्रस्तावना

भगवान बुद्ध का धम्म विज्ञानवादी है। बुद्ध का जन्म पूरे विश्व के लिए सुख दायी है, यह बात विश्व के साठ धर्म पंथो के विद्वत जनों नें जिनेव्हा में 2006 ई. वी के अंतरराष्ट्रीय धर्म सम्मेलन में स्वीकार की है। दुनिया के सभी जीव, विशेषतः मनुष्य प्राणी, तृष्णा, अविद्या तथा लोभ, मोह, द्वेष, संशय, राग, में जल रहा है। बुद्ध का दर्शन कार्य कारण वाद (अनिश्वरवाद) अनित्यतावाद (क्षणिकवाद) ,अनात्मवाद (नाम रूप सिद्धांत) ये सभी सत्य की खोज, प्रयोग,प्रत्यक्ष प्रमाण तथा अनुमान इन वैज्ञानिक कसौटियों पर आधारित है।

भारत का इतिहास वैसे भी श्रमण संस्कृति और ब्राह्मण संस्कृति के संघर्ष का इतिहास है, ऐसा परमपूज्य बोधिसत्व डॉ बाबासाहब आंबेडकर का अध्ययन कहता है । पूरे विश्व का पुनर्निर्माण केवल बुद्ध प्रणीत विज्ञान वादी दर्शन से संभवनीय है ।

महापण्डित राहुल सांकृत्यायन सौ फि सदी अनिश्वरवादी, वैज्ञानिक भौतिकवादी तथा मानव कल्याण के लिए कटीबद्ध थे । उनके विश्व की रूप रेखा, वैज्ञानिक भौतिकवाद (मार्क्सवाद) मानव समाज और दर्शन दिग्दर्शन विश्व में अपने ढंग के बुद्ध दर्शन से प्रेरित ग्रंथ है ,जो उनके विद्वत्ता के परि चायक है । राहुल जी ने इस बात को भली भाँति समझ लिया है की ब्राह्मण संस्कृति युगो से से भारत की जनता को अज्ञान के दल दल में फंसायें रखकर अपना उच्च भ्रू वर्ग का स्वार्थ सिद्ध करना चाहती है, जब की केवल बुद्ध दर्शन ही मानव को सुखी और समृद्ध तथा दुख: मुक्ति के लक्ष्य में प्रतिबद्ध है।

इसलिए भारत के इतिहास में कभी नहीं थी ,इतनी जरूरत बुद्ध विचारों की है ,यह बात वर्तमान समय में बौद्ध दार्शनिक जानते है ,जिनमें राहुल सांकृत्यायन अग्रणी है ,क्योंकि उनकी जीवनी और कार्य इसी दिशामें व्यस्त रहा है । भारत में सभी विद्वानोंसे वह हटकर है ,इसका कारण यह है की राहुलजी शुद्ध वैज्ञानिक दृष्टि रखते है । यह बात अलग है ,कि दरिद्रता भी दु:खका एक कारण होनेसे आयुके उत्तरार्ध में बुद्धिज़म और मार्कसिज़्म इन 'विरोधी –समागम ''में वह उसकी लक्ष्मण रेषा या सम्यक दृष्टि रखनेके लिए डॉबाबासाहेब आंबेडकर के ''राज्य –समाजवाद ''को जो भारतियों के लिए उनकी अदभुत खोज थी ,उसे अवकाश के अभाव में समझ नहीं पाये । लेकिन अस्सी फि सदी राहुलजी बौद्धानुरागी थे –इस बात को जन जन तक पहुंचाने जरुरत है । ऐसा मेरा मत है,इसलिए मैंने इस विषय का चयन किया है । उन्होने अपना वैज्ञानिक चिंतन बौद्ध धम्म के परिप्रेक्ष्य में तथा विश्व के सारे धम्म ,संप्रदाय ,संस्कृतियाँ ,आचार –

विचार इन का गहन अध्ययन जिन बारीकियोसे विस्तारपूर्वक धरातल पर किया –ऐसा अध्ययन किसीने नहीं उनकी विशेषता है कि हिंदु धर्म (बनाम ब्राह्मण धर्म और बुद्धिजम इन दोनों पहलुओके तुलनात्मक अध्ययन के साथ इस्लाम जैन ,ईसाई धर्म में भी उन्हे बहुत गहराई तक अभ्यास था। इसीलिए मैंने वक्त का तकाजा समझ कर इस विषय को लेखन द्वारा सरेआम करनेका निश्चय कर लिया है।